No. of Printed Pages : 6 **BPY-008**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

00624 **December, 2014**

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-008 : MODERN WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

---

1. Analyse the importance of the doctrine of Monads and Pre-established harmony in the philosophy of Leibnitz. *20*

OR

Examine Locke's theory of knowledge and evaluate his position as a consistent empiricist. *20*

2. Distinguish between Categorical and Hypothetical Imperatives in the philosophy of Kant. *20*

OR

Explain in detail Hegel's organic truth and reality. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Explain the significance of the enlightenment for western philosophy. *10*

(b) Examine the philosophy of Comte and describe the salient features of Comte's classification of sciences. *10*

(c) Analyse Berkeley's rejection of Abstract Ideas. *10*

(d) Describe the three kinds of knowledge according to Spinoza. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Describe David Hume's views on Problem of Freedom. *5*

(b) What does Berkeley mean by 'esse est percipi' ? *5*

(c) What does Kant mean by the transcendental ideal for systematic unity ? *5*

(d) Describe briefly Hegel's Idealism. *5*

(e) What is Logical Positivism ? *5*

(f) Explain the significance of Dialectical Materialism in the Marxian philosophy. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Cogito ergo sum *4*

(b) Natura Naturans and Natura Naturata *4*

(c) Empiricism *4*

(d) Secularism *4*

(e) Renaissance *4*

(f) Martin Luther *4*

(g) Simple and Complex Ideas in Locke's philosophy *4*

(h) Direct and Indirect passions *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-008 : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

1. लाइबनित्स के दर्शन में मोनड-सिद्धांत और पूर्व-स्थापित सामंजस्य के सिद्धांत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *20*

अथवा

लॉक की ज्ञानमीमांसा की परीक्षा कीजिए और संगत अनुभववादी के रूप में उसकी स्थिति का मूल्यांकन कीजिए । *20*

2. काँट के दर्शन में निरपेक्ष आदेश और सापेक्ष आदेश (Categorical and Hypothetical Imperatives) के मध्य अन्तर कीजिए । *20*

अथवा

हेगेल के जैविक सत्य और सत की विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) पाश्चात्य दर्शन में प्रबोधन के महत्त्व की व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) कॉम्ट के दर्शन का परीक्षण कीजिए और उसके विज्ञान के वर्गीकरण की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए । *10*

(ग) बर्कले की अमूर्त प्रत्यय की अस्वीकृति (आलोचना) का विश्लेषण कीजिए । *10*

(घ) स्पिनोज़ा के अनुसार तीन प्रकार के ज्ञान का वर्णन कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) स्वतन्त्रता की समस्या पर डेविड ह्यूम के विचारों का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) बर्कले का 'दृश्यते इति वर्तते' से क्या अर्थ है ? *5*

(ग) काँट का सुव्यवस्थित ऐक्य (Systematic Unity) के अत्यानुभविक (प्रागनुभविक) आदर्श से क्या तात्पर्य है ? *5*

(घ) हेगल के प्रत्ययवाद का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

(ङ) तार्किक भाववाद (प्रत्यक्षवाद) क्या है ? *5*

(च) मार्क्स के दर्शन में द्वंद्वात्मक भौतिकवाद के महत्त्व की व्याख्या कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कोजिटो अर्गो सम (चिंतये अतोऽस्मि) (cogito ergo sum) *4*

(ख) कारण-प्रकृति और कार्य-प्रकृति *4*

(ग) अनुभववाद *4*

(घ) धर्मनिरपेक्षतावाद *4*

(ङ) पुनर्जागरण *4*

(च) मार्टिन लूथर *4*

(छ) लॉक के दर्शन में सरल एवं जटिल प्रत्यय *4*

(ज) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संवेग (Direct and Indirect passions) *4*